**विदेशी पर्यटकों को धार्मिक स्थलों का भ्रमण करने के लिए आकर्षित करने की योजना**

860. **श्री इकबाल सिंह:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994-95 के दौरान कितने विदेशी पर्यटकों ने भारत के धार्मिक पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया और उनमें से कितने पर्यटकों ने पंजाब राज्य के विभिन्न तीर्थस्थलों का भ्रमण किया;

(ख) सरकार द्वारा उक्त अवधि के दौरान कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई; और

(ग) विदेशी पर्यटकों को भारत के तीर्थस्थलों का भ्रमण करने के लिए आकर्षित करने हेतु कौन-कौन सी प्रभावी योजना बनाई गई हैं?

**नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद):** (क) वर्ष 1994-95 के दौरान लगभग 19,07,320 विदेशी पर्यटकों ने देश की यात्रा की। धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या से संबंधित आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

(ख) वर्ष 1994-95 के दौरान पर्यटन से अर्जित हुई अनुमानित विदेशी मुद्रा 7366 करोड़ रुपए है। पर्यटक संबंधी खर्च सरकार नहीं करती, खर्च के प्राप्तिकर्ता विभिन्न सेवाओं और सुविधाओं को मुहैया करने वाले होते हैं।

(ग) सरकार ने तीर्थ पर्यटन के विकास के लिए संबंधित राज्य सरकारों तथा स्थानीय निकायों के माध्यम से तीर्थ केन्द्रों पर सुविधाओं के विकास हेतु एक योजना शुरू की है।

**कपास का उत्पादन, घरेलू मांग और निर्यात**

861. **श्री सोमपाल:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस वर्ष कपास का कितना उत्पादन होने की संभावना है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान कपास का वर्ष-वार कितना-कितना उत्पादन हुआ है;

(ग) देश में कपास की प्रत्याशित घरेलू मांग कितनी है;

(घ) क्या इस वर्ष कपास का निर्यात करने की अनुमति दी गई है;

(ङ) यदि हां, तो किस-किस तारीख को कपास की कितनी-कितनी मात्रा का निर्यात करने की अनुमति दी गई;

(च) देश में कपास के उपयोग और इसके मूल्यों में वृद्धि की क्या संभावनाएं है और क्या सरकार ने इसके उपयोग के लिए कोई ठोस योजना तैयार की है; और

(छ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ):** (क) कपास सलाहकार बोर्ड के लिए अन्तिम मूल्यांकन करने का अभी उपयुक्त समय नहीं है। इसके मौसम की समाप्ति पर होने की आशा है।

| (ख) वर्ष | कपास का उत्पादन लाख गांठ में (1 गांठ - 170 कि०ग्रा०) |
|---|---|
| 1992-93 | 135.00 |
| 1993-94 | 121.50 |
| 1994-95 | 130.00 |

(ग) कपास सलाहकार बोर्ड द्वारा वर्ष 1994-95 के कपास वर्ष के लिए घेरलू मांग लगभग 131 लाख गांठ होना आंका गया है। चालू वर्ष की मांग मौसम की समाप्ति पर आंकी जाएगी।

(घ) जी हां।

(ङ) पिछले वर्षों की भांति सरकार ने वर्ष 1995-96 के कपास वर्ष में भी निर्यात के लिए बंगाल देशी कपास की 1 लाख गांठों की रिलीज की है। आधुनिक गिनिंग तथा प्रैसिंग एककों को प्रोत्साहन देने के रूप में 28-11-1995 को अपरिष्कृत कपास की 1 लाख गांठे रिलीज करने की भी घोषणा की गई है।

(च) और (छ) पिछले तीन वर्षों से कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव होने की प्रवृति बनी हुई है। फिर भी सरकार स्थिति की बराबर मानीटरी कर रही है तथा उपयुक्त कदम उठा रही है।

**Decline in Foreign Exchange Reserve**

862. SHRI KRIṢHAN LAL SHARMA: will the Minister of FINANCE be pleased to State:

(a) whether it is a fact that foreign

exchange reserves of India have been constantly declining from April, 1995 onwards;

(b) whether it is also a fact that as reported in the 'The Times of India', dated the 15th November, 1995, the foreign exchange reserves which stood approximately 20 billion dollars in the first week of April, 1995 came down to 18.86 billion in October and further declined to 17.45 billion dollars on 3rd November, 1995;

(c) if so, what are the reasons therefor; and

(d) what steps Government propose to take or have taken to ensure that the foreign exchange reserves of the country do not further decline?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBIPROSAD PAL): (a) and (b) The foreign exchange reserves of India, excluding gold and Special Drawing Rights (SDRs), have declined from US $ 20809 million at the end of March, 1995 to US $ 18865 milion on October, 13. 1995 and further to US $ 17451 million on November 3, 1995.

(c) The decline in official foreign exchange reserves as above reflects the imbalance in receipts and payments on account of foreign exchange transactions routed through the Reserve Bank of India, including RBI's market intervention to stabilise the exchange rate of the rupee consistent with the economic fundamentals.

(d) The Government has taken a number of measures on both the domestic and external fronts which should strang then the country's external trade and payments situation.

**Proposals to develop Tourism Industry in Coastal Areas of Saurashtra and Kutch**

863. SHRI RAJBUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government propose to develop tourism Industry in the coastal areas of Saurashtra and Kutch;

(b) whether State Government of Gujarat have sent any detaled scheme in this regard;

(c) if so, what is the reaction of Government thereon and what steps have so far been taken to clear it;

(d) whether Government have since sanctioned any financial assistance in this regard; and

(e) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (e) development of tourism in specific areas is primarily the responsibility of the respective State Governments. No detailed scheme has been received from the Government of Gujarat regarding development of tourism industry in the coastal areas of saurashtra and Kutch.

**Hank Yarn Obligation Rule**

864. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that some handloom units are receiving yarn from spinning mills under hank yarn obligation rule although they are not operational for a long time; and

(b) if so, the action taken by Government against such handloom units?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TERXTILES (SHRI KAMALNATH): (a) spinning mills are reuired to fulfil their Hank Yarn Obligation and make available yarn in Hank form to the market through civil deliveries. The level of working of any handlom unit does not form the basis for its receiving hank yarn from spinning mills.

(b) Does not arise.